रत्नसागर

तुलसी साहब (हाथरस वाले) का,

जीवन चरित्र सहित

जिसमें

कुल रचना का भेद, बेद और शास्त्रौं का निरूपन, युगौं का प्रभाव, चार खानि और चौरासी लक्ष योनी का हाल, कर्मौं का हिसाब, जीव का फँसाव उसके उबार की युक्ति, संत शरन और सतसंग की महिमा, भेषौं की दशा इत्यादि, पूरी भाँति से दिखाया है

इलाहाबाद

बेलवेडियर स्टीम प्रिंटिंग वर्कस में प्रकाशित हुआ

सन् १९१९

दूसरी बार]

दाम ।।।=